पायी गयी थी। परियोजना की अलाभ-प्रदता और आमान परिवर्तनों के लिए संसाधनों की कठिन स्थिति को देखते हुए इस परियोजना को शुरू नहीं किया जा सका।

गंगा–कावेरी एक्सप्रेस रेलगाड़ी का चलाया जाना

1300. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का वाराणासी से मद्रास जाने वाली गंगा-कावेरी एक्सप्रेस रेलगाड़ी को दोनों तरफ से दैनिक चलाने का विचार है ; और

(ख) यदि हां तो इसे कब से शुरू किया जायेगा और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) जी नहीं।

(ख) कतिपय खण्डों पर लाइन क्षमता की तंगी और अतिरिक्त सवारी डिब्बों के कारण फिलहाल फेरे नहीं बढ़ाये जा सकते हैं।

आचार्य नरेन्द्र देव के सम्मान में स्मारक डाक टिकट

1301. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार महान् राष्ट्र भक्त और समाजवादी विचारक आचार्य नरेन्द्र की जन्म शताब्दी पर उनके सम्मान में स्मारक डाक टिकट जारी करने का विचार रखती है ; और

(ख) यदि हां तो इसके कब तक जारी किये जाने की संभावना है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) और (ख) आचार्य नरेन्द्र देव के सम्मान में एक डाक टिकट 19-2-1971 को पहले ही जारी किया जा चुका है। स्मारक विशेष डाक टिकट जारी करने के मानदंडों के अनुसार किन्हीं विशेष मामलों को छोड़कर किसी व्यक्ति के सम्मान में केवल एक डाक टिकट जारी किया जाता है। फिलहाल आचार्य नरेन्द्र देव की जन्म-शताब्दी के अवसर पर डाक टिकट जारी करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

दिल्ली परिवहन निगम का बजट

1302. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या **जल–भूतल परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1985–86 और 1986–87 के वर्षों के दौरान अलग-अलग दिल्ली परिवहन निगम के आय-व्यय के बजट का ब्यौरा क्या है ; और

(ख) क्या इन बजटों में कोई घाटा दिखाया गया था; यदि हां तो इसके क्या कारण हैं और इसमें सुधार लाने के लिए सरकार ने क्या-क्या उपाय किये हैं ?

जल–भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) (क) : दिल्ली परिवहन निगम के वर्ष 1985–86 और 1986–87 की आय और व्यय का ब्यौर निम्नलिखित है :

(करोड़ रुपए)

ब्यौरे	1985–86	1986–87 (अन्तिम)
आय	84.62	127.49
व्यय (ब्याज और मूल्य ह्रास के बिना)	162.31	165.79

(ख) 1985–86 के दौरान नकद घाटा 77.6 करोड़ रूपए था और 1986–87 के दौरान 38.30 करोड़ रुपए था।